जल अगर अग्नि बन जाए | By Suresh Wadkar |

जीवन मेरा ये अर्पण है
भोले तेरे नाम
ना ठुकराना मुझको कभी तू
चरण तुम्हारे मेरे धाम
शीश झुकाए तुझको प्रणाम

जल अगर अग्नि बन जाए
फूल भी काँटें बन चुभ जाए
फिर भी अपने अंत:करण से
तेरा नाम पुकारूँगा
ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय

पर्वत को टुकड़ों में
मैं बहा दूँ
सूरज को हाथों में
मैं छुपा दूँ
तुम न समझना
मैं बिखर चुका हूँ
गिरकर भी तो
मैं निखर चुका हूँ
गिरकर भी तो
मैं निखर चुका हूँ
गिरकर भी तो
ॐ नमः शिवाय

रोम-रोम मेरे बसता
नाम वो है शिवा
गंगा जहाँ से
ये बहती है
नाम वो है शिवा
ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय

जानता हूँ मैं
जानता है तू
मेरे ज़ख्मों को
पहचानता है तू
अर्क तुझे प्रणाम
जल मुट्ठी में लिए
लक्ष्य भेदूँ मैं
प्राण हैं ये किए
लक्ष्य भेदूँ मैं
प्राण हैं ये किए
ॐ नमः शिवाय

बिन सहारे तेरे मैं

आगे न बढ़ पाऊँगा
तू जो साथ हो मेरे
जीत के मैं आऊँगा
ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय

कठिनाइयों का सागर
चीर के आया हूँ
तेरे दर पे हाथ
जोड़ के आया हूँ
मर जाऊँ मिट जाऊँ
ग़म न होगा मुझको
लेकिन माँ का ध्यान
रखना होगा तुझको
लेकिन माँ का ध्यान
रखना होगा तुझको
ॐ नमः शिवाय

शीश तेरे ये चरणों में
आज झुकाने आया हूँ
पत्थर की इस मूरत में
प्राण जगाने आया हूँ
ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय

जल अगर अग्नि बन जाए
फूल भी काँटें बन चुभ जाए
फिर भी अपने अंतःकरण से
तेरा नाम पुकारूँगा
ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%b2-%e0%a4%85%e0%a4%97%e0%a4%b0-%e0%a4%85%e0%a4%97%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%bf-%e0%a4%ac%e0%a4%a8-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%8f-by-suresh-wadkar/